रोल नं.
Roll No. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

101

401 (IGA)

2023

हिन्दी

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 80

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गए **सभी** प्रश्नों का उत्तर देना **अनिवार्य** है। प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड - 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

भाषा शिक्षा की नींव है। नींव सशक्त हुए बिना भवन अस्थिर होगा और याद रखें कि नींव दो-तीन नहीं हुआ करती। महत्वपूर्ण बात तो यह है कि बच्चे की शिक्षा अपनी भाषा में ही सर्वोत्तम होती है। इसलिए बच्चे की सर्वोच्च क्षमता अपनी भाषा पर अधिकार करने में लगानी चाहिए। अपनी भाषा पूरी संवेदना से सीख लें तो उसके लिए दूसरी, तीसरी भाषाएँ सीखना सदैव आसान रहेगा। हम भूल चुके हैं कि अपनी भाषा माता समान होती है। उसके बिना पालन-पोषण राम भरोसे ही रहेगा। आज हमारी राष्ट्रीय दुर्बलताओं और समस्याओं का मूल कारण इसी में है। यह किसी सरकार की नहीं, हमारी अपनी समस्या है। जैसे मिट्टी से अंकुरित होते बीज को समय रहते पर्याप्त जल, प्रकाश और वायु की अनिवार्य आवश्यकता होती है, वैसे ही दुनिया को समझना शुरू करने वाले बालक को अपनी भाषा के सर्वोत्तम साहित्य से परिचित कराना अनिवार्य है। उसकी संपूर्ण निहित क्षमता और व्यक्तित्व के उभरने का मूल साधन वही है।

भाषा केवल पाठ्य पुस्तक पढ़ने से नहीं आती। असली भाषा, साहित्य की भाषा होती है, जिससे जीवित संबन्ध रखने से ही वह आती है। अपनी भाषा पर भरोसा और लगाव के बिना कोई भाषा नीति सफल होने वाली नहीं । ब्रिटेन, अमेरिका से भी सीखना चाहिए कि किस तरह उन्होंने अपनी भाषा में अपना ही नहीं संपूर्ण विश्व के महान् साहित्य और विद्वद् संस्करणों को सुलभ कराया। इसके विपरीत हमने अपने श्रेष्ठ साहित्य को घर-निकाला दे दिया।

(क) भाषा को 'शिक्षा की नींव' कहने का क्या आशय है? 2

(ख) बालक की शिक्षा में अपनी भाषा का क्या स्थान है? 2

(ग) भाषा के समुचित ज्ञान का साधन क्या है और कैसे ? 2

(घ) बच्चे की संपूर्ण निहित क्षमता के विकास का मूल साधन क्या है और किस रूप में? 2

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 2

Downloaded from cclchapter.com

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 8

(क) जय जवान, जय किसान

(ख) बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम

(ग) वर्तमान शिक्षा प्रणाली-गुण एवं दोष

(घ) पावस में पर्वत प्रदेश

3. निम्नलिखित प्रश्नखण्डों के सही उत्तर-विकल्प अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखिए – 1×5=5

(क) उत्तराखण्ड से प्रकाशित होने वाला सबसे प्राचीन समाचार पत्र कौन सा है?

(i) पर्वतीय

(ii) अल्मोड़ा अखबार

(iii) पौड़ी समाचार

(ख) कौन सा संचार माध्यम श्रव्य माध्यम है?

(i) समाचार पत्र

(ii) टेलीविजन

(iii) रेडियो

(ग) पीत पत्रकारिता के अन्तर्गत आते हैं-

(i) सचित्र समाचार

(ii) मनोरंजक समाचार

(iii) सनसनीखेज, उत्तेजक समाचार

(घ) वर्तमान स्वरूप में मुद्रण की शुरूआत कहाँ हुई?

(i) रूस में

(ii) जर्मनी में

(iii) लन्दन में

(ङ) समाचार पत्र का सबसे महत्वपूर्ण पृष्ठ कहलाता है-

(i) संपादकीय

(ii) फोटो पत्रकारिता

(iii) विज्ञापन

Downloaded from cclchapter.com

4. 'रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून' विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक आलेख लिखिए। 5

अथवा

अपने ग्राम अथवा नगर में 'स्वच्छ भारत अभियान' के अन्तर्गत हुई प्रगति पर लगभग 150 शब्दों में एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(i) इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है।
नहीं सहा जाता है।
ममता के बादल की मँडराती कोमलता-
भीतर पिराती है
कमजोर और अक्षम अब हो गई है आत्मा यह
छटपटाती छाती को भवितव्यता डराती है
बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है!!

(क) प्रस्तुत कविता में कवि किससे परिवेष्टित होने का संकेत करता है? 1
(ख) 'उजेला नहीं सहा जाता' में क्या भावना संनिहित है? 2
(ग) आत्मा के कमजोर और अक्षम होने का क्या कारण हो सकता है? 2

(ii) तव प्रताप उर राखि प्रभु जैहउँ नाथ तुरंत।
अस कहि आयसु पाइ पद बंदि चलेउ हनुमंत।।
भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद प्रीति अपार।
मन महुँ जात सराहत पुनि पुनि पवनकुमार।।

(क) उपर्युक्त दोहों में किस घटना क्रम का वर्णन है? पूरा सन्दर्भ बताइए। 2
(ख) हनुमान किसकी आज्ञा पाकर कहाँ को चले? 2
(ग) पवन कुमार किसके गुण-शील की सराहना करते हुए जा रहे हैं? 1

Downloaded from cclchapter.com

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए- 2

नभ में पाँती-बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।
हौले हौले जाती मुझे बाँध निज माया से ।
उसे कोई तनिक रोक रक्खो।
वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें
नभ में पाँती-बँधी बगुलों की पाँखें।

(क) काले बादलों से भरे आकाश में उड़ते बगुलों की पंक्ति की शोभा का वर्णन उक्त पंक्तियों के आधार पर कीजिए।

(ख) उक्त कविता का भाव अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×2=4

(क) 'कैमरे में बन्द अपाहिज' कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) बादलों के आगमन पर प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों का वर्णन 'बादल राग' कविता के आधार पर कीजिए।

(ग) 'छोटे चौकोने खेत' की तुलना कागज के पन्ने से क्यों की गई है? संबन्धित कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×3=6

(i) भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबन्ध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना।

(क) भक्तिन और लेखिका के पारस्परिक सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

(ख) सेविका के रूप में भक्तिन के व्यक्तित्व की विशेषता बताइए।

(ग) भक्तिन को नौकर कहना किस रूप में असंगत प्रतीत होता है।

Downloaded from cclchapter.com

(ii) कालिदास सौन्दर्य के बाह्य आवरण को भेदकर उसके भीतर तक पहुँच सकते थे, दुख हो कि सुख, वे अपना भाव-रस उस अनासक्त कृषीवल की भाँति खींच लेते थे जो निर्दलित ईक्षुदंड से रस निकाल लेता है। कालिदास महान थे, क्योंकि वे अनासक्त रह सके थे। कुछ इसी श्रेणी की अनासक्ति आधुनिक हिन्दी कवि सुमित्रानन्दन पन्त में है। कविवर रवीन्द्रनाथ में यह अनासक्ति थी। एक जगह उन्होंने लिखा-'राजोद्यान का सिंहद्वार कितना ही अभ्रभेदी क्यों न हो, उसकी शिल्पकला कितनी ही सुन्दर क्यों न हो, वह यह नहीं कहता कि हममें आकर ही सारा रास्ता समाप्त हो गया। असल गंतव्य स्थान उसे अतिक्रम करने के बाद ही है, यही बताना उसका कर्त्तव्य है।' फूल हो या पेड़, वह अपने-आप में समाप्त नहीं है। वह किसी अन्य वस्तु को दिखाने के लिए उठी हुई अँगुली है। वह इशारा है।

(क) कालिदास की काव्य प्रतिभा की तुलना कृषीवल से किस रूप में की गई है?

(ख) राजोद्यान का सिंहद्वार क्या संदेश देता है?

(ग) फूल और पेड़ों से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×2=4

(क) 'बाजार किसी का लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र नहीं देखता वह केवल उसकी क्रय शक्ति को देखता है।' पठित पाठ के आधार पर बताइए कि आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं?

(ख) पठित पाठ के आधार पर बताइए कि नमक की पुड़िया ले जाने के सम्बन्ध में सफ़िया के मन में क्या द्वन्द्व था?

(ग) 'शिरीष के फूल' पाठ में लेखक ने संघर्षपूर्ण जीवन में व्यक्ति को अविचल रहने की सीख दी है। इस तथ्य को स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1×3=3

(क) 'वर्तमान पारिवारिक जीवन के सन्दर्भ में 'सिल्वर वैडिंग' कहानी एक वास्तविक चित्रण प्रस्तुत करती है'। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?

(ख) 'जूझ' कहानी के आधार पर कथानायक की पढ़ाई के प्रति ललक का चित्रण कीजिए।

(ग) सिन्धु-सभ्यता साधन-सम्पन्न किन्तु आडम्बर विहीन थी। उक्त तथ्य की समीक्षा पठित पाठ के आधार पर कीजिए।

(घ) यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों?

Downloaded from cclchapter.com

11. 'जूझ' कहानी का सार-संक्षेप अपने शब्दों में लिखिए। 4

अथवा

'सिन्धु घाटी की सभ्यता मूलतः कृषि प्रधान सभ्यता थी' पठित पाठ के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - 'ब'

12. निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् संस्कृत भाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 1×3=3
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

अरूणाचलप्रदेशे रूपग्रामे उभौ सहोदरौ निवसतः स्म। तयोः ज्येष्ठः बौद्धसंन्यासी, कनीयान् च व्याधवृत्तिम् आश्रितः। अनुजः एव गृहपोषणं करोति स्म। प्रतिदिनं सः अरण्यं गत्वा पशून् हत्वा मांसं सङ्गृह्य आगच्छति स्म। तेन मांसेन एव गृहे पाकः सज्जीक्रियते स्म। बौद्धसंन्यासिने एतत् मांससेवनं न रोचते स्म।

(क) उभौ सहोदरौ कुत्र निवसतः स्म?

(ख) बौद्ध संन्यासी कः आसीत् ?

(ग) गृहे मांसेन किं क्रियते स्म?

(घ) मांससेवनं कस्मै न रोचते स्म?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा कोऽपि **त्रीन** प्रश्नौ संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 1×3=3
(निम्नांकित श्लोक को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

धर्मात्मजो वायुसुतश्च भीमो-
भ्रातार्जुनो मे त्रिदशेन्द्रसूनुः।
यमौ च तावश्विसुतो विनीतौ,
सर्वे सभृत्याः कुशलोपपन्नाः।।

(क) धर्मात्मजः कः आसीत् ?

(ख) भीमः कस्य सुतः आसीत् ?

(ग) त्रिदशेन्द्र सूनुः कः आसीत् ?

(घ) अर्जुनः कस्य सूनु आसीत् ?

Downloaded from cclchapter.com

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः कोऽपि **चत्वारि** प्रश्नान् संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×4=8

(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) लघुकायः मण्डूकः किम् आरब्धवान् ?

(ख) चौराबारी सरोवरः कुत्र स्थितः ?

(ग) मञ्चसंचालनं कः करिष्यति?

(घ) भारतस्य गौरवपुरूषः कः आसीत् ?

(ङ) पादैः कः पिबति?

(च) सागरान्तां गां के हरिष्यन्ति?

15. निम्नांकित शब्दसूचीतः **त्रीन** शब्दान् चित्वा तेषां वाक्यप्रयोग संस्कृतभाषायां कुरुत - 1×3=3

(निम्नांकित शब्दों में से **तीन** शब्दों को चुनकर उनका संस्कृत में वाक्य-प्रयोग कीजिए)

शब्द सूची - अधमाः, पिबन्ति, सर्वे, पादपाः, सर्वत्र, जलम् , गगने, वर्षति

16. निर्देशानुसारम् प्रश्नान् उत्तरत (निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए) – ½×6=3

(क) समासविग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत –

(समास विग्रह करके समास का नाम भी बताइए)

पितापुत्रौ **अथवा** राजपुत्रः

(ख) विभक्ति-निर्देशनं कुरुत (विभक्ति बताइए) –

श्रीमते **अथवा** राजसु

(ग) सन्धिविच्छेदं कुरुत (संधि विच्छेद कीजिए) –

कोऽपि **अथवा** रामश्शेते

(घ) सन्धिं कुरुत (संधि कीजिए)-

कविः + आगतः **अथवा** मनः + रथः

Downloaded from cclchapter.com

(ङ) 'हरि' **अथवा** 'मधु' शब्दस्य तृतीया विभक्तेः एकवचनस्य रूपं लिखत।

('हरि' **अथवा** 'मधु' शब्द का तृतीया विभक्ति, एक वचन का रूप लिखिए)

(च) 'वद्' **अथवा** 'मुद' धातोः लोट लकार, प्रथम पुरुष, एकवचने रूपं लिखत।

('वद्' **अथवा** 'मुद' धातु के लोट लकार, प्रथम पुरुष, एक वचन का रूप लिखिए)

17. अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं परित्यज्य कमपि एकं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दीभाषायां तस्यानुवादं कुरुत। 2×2=4

(इस प्रश्न-पत्र में आए हुए श्लोक को छोड़कर कोई एक कण्ठस्थ श्लोक लिखिए और उसका हिन्दी अनुवाद कीजिए)

*****

Downloaded from cclchapter.com